सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 206 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 2 सितम्बर, 2023

पुस्तकें वो साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
–सर्वपल्ली राधाकृष्णन

केंद्र सरकार व एलजी ने धर्म का... 2 | एक देश एक चुनाव, एक सियासी... 3 | एशियाई हॉकी में भारत ने जापान... 7

सूर्य का रहस्य जानने निकल पड़ा आदित्य एल-1

» चार महीने में पूरा करेगा 15 लाख किमी की दूरी

11 बजकर 50 मिनट पर भारत का पहला सूर्य मिशन लॉन्च

5 सालों तक लगातार भेजेगा तस्वीरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। इसरो ने ऊर्जा के सबसे बड़े स्त्रोत सूर्य के रहस्यों से पर्दा उठाने के लिए आज 11 बजकर 50 मिनट पर अपना पहला सूर्य मिशन लॉन्च कर दिया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यान अगले पांच सालों तक रोजाना 1440 तस्वीरें भेजेगा जिसकी मदद से सूर्य के अध्ययन में आसानी होगी। वैज्ञानिकों के मुताबिक पहली तस्वीर फरवरी महीने में सामने आ जाएगी। पहला सूर्य मिशन आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया है।

चंद्र विजय करने के बाद से चांद की कई खूबसूरत तस्वीरें चंद सेकंड में ही हमारे पास आने लगी थी, ऐसे ही लोगों को इंतजार है कि वो पास से सूर्य की तस्वीरें ले सकें। गौरतलब है कि आदित्य एल-1 का पहला पेलोड विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ (वीईएलसी) लक्षित ऑर्बिट में पहुंचकर रोजाना एक हजार से अधिक तस्वीरें भेजेगा, जो अध्ययन में मददगार साबित होंगे। इस खबर में हम आपको बताएंगे आखिर सूर्य की सबसे करीब से ली गई तस्वीर कब सामने आएगी। दरअसल, इस मिशन से सूरज की बाहरी परत कोरोना, कोरोनल मास इजेक्शन (सूर्य में होने वाले शक्तिशाली विस्फोट), प्री-फ्लेयर और फ्लेयर गतिविधियां और उनकी विशेषताएं, सौर तूफान की उत्पत्ति आदि कारकों का अध्ययन किया जाएगा। इसके अलावा, आखिर अंतरिक्ष के मौसम पर सूर्य की गतिविधियों का क्या प्रभाव पड़ेगा इस बात की जानकारी भी इकट्ठा किया जाएगा। सोलर-अर्थ सिस्टम में कुल पांच लांग्रेज बिंदु है, जहां आदित्य एल1 जा रहा है। यह ऑर्बिट पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर है, जहां पहुंचने के लिए यान को कुल 4 महीने का समय लगेगा। गौरतलब है कि पृथ्वी से एलवी की दूरी, सूर्य से पृथ्वी की दूरी का केवल 1 प्रतिशत हिस्सा है। वैज्ञानिक ने बताया है, तस्वीर चैनल की ओर से हर मिनट एक तस्वीर भेजी जाएगी यानी 24 घंटों में लगभग 1,440 तस्वीर सामने आएंगी।

मिशन में 400 करोड़ रुपये हुए खर्च

इसरो के इस मिशन में चंद्रयान-3 मिशन से भी कम खर्च आया है। इस सौर मिशन में 400 करोड़ रुपये खर्च हुए है, जबकि नासा की ओर से लॉन्च किए गए सौर मिशन में लगभग 12, 300 करोड़ रुपये खर्च हुए थे।

इंडिया बोला- 24 में देश से उखाड़ फेकेंगे मोदी सरकार

- » मुंबई में दो दिनी गठबंधन की बैठक संपन्न
- » दिग्गजों की सहमति- लोस चुनाव मिलकर लड़ेंगे
- » सभी बोले- मोदी सरकार सबसे भ्रष्ट और अहंकारी
- » पूरे देश में की जाएंगी रैलियां
- » बीजेपी सरकार की उलटी गिनती शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। दो दिनों तक मुंबई में चली विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की बैठक मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ खत्म हो गई। इस बैठक में फैसला लिया कि वे अगला लोकसभा जहां तक संभव होगा मिलकर लड़ेंगे तथा सीटों के तालमेल पर तत्काल काम शुरू किया जाएगा।

गठबंधन की बैठक में पारित प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि सीट बंटवारे का काम 'इस हाथ दे, उस हाथ ले' की सहयोगात्मक भावना के साथ जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। प्रस्ताव में कहा गया है, ''हम 'इंडिया' के घटक दल आगामी लोकसभा चुनाव जहां तक संभव हो मिलकर लड़ने का संकल्प लेते हैं। विभिन्न राज्यों में सीट-बंटवारे का काम तुरंत शुरू होगा और लेन-देन की सहयोगात्मक भावना के साथ जल्द से जल्द पूरा किया जाए। इस बैठक में कई कमेटियां बनाई गई इसमें सभी दलों के सदस्य शामिल किए गए।

आरएसएस, भाजपा व मोदी डरे हुए हैं : राहुल

कांग्रेस के दो सहयोगी दलों, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने पिछले एक साल में राज्य में विभाजन देखा और उनके कुछ विधायकों ने भाजपा के साथ हाथ मिला लिया था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि महाराष्ट्र में भाजपा का सफाया हो जाएगा। महाराष्ट्र में लोकसभा की कुल 48 सीट हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विश्वास जताया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' राष्ट्रीय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पराजित कर देगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे को तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी दोहराएगी। कांग्रेस ने कर्नाटक में इस साल मई में हुए विधानसभा चुनावों में जबरदस्त जीत हासिल कर भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बाहर कर दिया था। गांधी ने दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी से ''डरे हुए'' हैं।

हमारे बीच कोई झगड़ा नहीं : केजरीवाल

केजरीवाल ने साफ तौर पर कहा कि कोई संघर्ष नहीं है। और यहां कोई भी किसी पद के लिए नहीं आया है। हम सब यहां देश के 140 करोड़ लोगों के लिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये लोग अपने आप को भगवान से भी बड़ा समझने लगे हैं और जब कोई खुद को भगवान से भी बड़ा समझता है तो उसका पतन निश्चित होता है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विपक्षी गठबंधन इंडिया (भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन) में शामिल होने वाले दलों के बीच कोई अंदरूनी कलह नहीं है, हालांकि विपक्षी गठबंधन में इस तरह की दरारें पेश करने की बेताब कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं एक बात देख रहा हूं कि इंडिया गठबंधन को तोड़ने के लिए बड़ी ताकतें तैनात की गई हैं।

राजनीतिक परिवर्तन लाने के लिए सशक्त विकल्प प्रदान करेंगे : पवार

इंडिया ने गठबंधन की सर्वोच्च ईकाई के रूप में 14 सदस्यीय एक महत्वपूर्ण समिति गठित की जिसमें शरद पवार, टी आर बालू, उमर अब्दुल्ला, अभिषेक बनर्जी, तेजस्वी यादव और डी राजा समेत कई दलों के प्रमुख नेता शामिल हैं। समन्वय समिति ही गठबंधन की सर्वोच्च इकाई के रूप में काम करेगी। अन्य कई समिति भी बनाई गई है। एनसीपी नेता शरद पवार ने कहा हम सशक्त विकल्पा देंगे।

अगली बैठक दिल्ली में : सुप्रीया सुले

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की नेता सुप्रिया सुले ने मुंबई में तीसरी बैठक के समापन के बाद कहा कि विपक्षी इंडिया गठबंधन की अगली महत्वपूर्ण बैठक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में होगी। उन्होंने कहा, आप (मीडियाकर्मी) इसे कब आयोजित करना चाहेंगे, हम इसे उन तारीखों पर आयोजित करेंगे। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा, हमने अगली बैठक (इंडिया गठबंधन) की घोषणा नहीं की है।

केंद्र सरकार व एलजी ने धर्म का किया अपमान : संजय सिंह

» शिवलिंग के आकार के फव्वारों पर आप व भाजपा में तकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर धौलाकुआं रास्ते में शिवलिंग आकार के फव्वारे लगाए गए हैं। इन शिवलिंग के आकार के फव्वारों को लेकर सियासत शुरू हो गई है। आम आदमी पार्टी ने इसपर एतराज जताया है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि शिवलिंग सजावट के लिए नहीं है, इसकी पूजा होती है। केंद्र सरकार और एलजी ने धर्म का अपमान किया है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा, मोदी जी के नेतृत्व में शिवलिंग का अपमान किया गया और भाजपाई पीएम की तारीफ कर रहे हैं।

दिल्ली के एलजी शिवलिंग का अनादर करके वाहवाही लूट रहे हैं। भाजपा को देश से माफी मांगनी चाहिये एलजी पर कार्रवाई करो। जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए धौला कुआं के पास सौंदर्यीकरण के तहत फव्वारे पर बने शिवलिंग पर बढ़ा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इन शिवलिंग को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शिल्पकृति बताया है। वहीं आम आदमी पार्टी ने इसे हिंदुओं की भावना को आहत करने वाला कृत बताते हुए दिल्ली पुलिस को शिकायत दी है। आप का कहना है कि शिवलिंग की पूजा करते हैं और इन पर साफ और स्वच्छ जल से अभिषेक होता है, जबकि उपराज्यपाल इसे सौंदर्यीकरण के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। आप के इस बयान को उपराज्यपाल ने बचकाना हरकत बताया है।

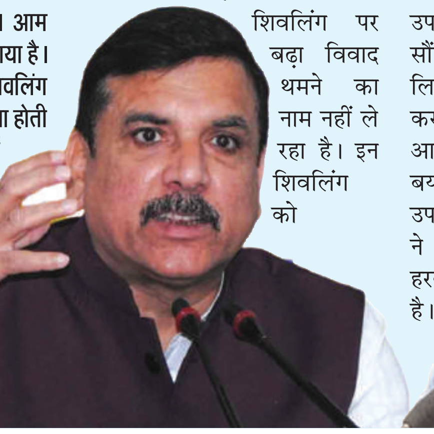

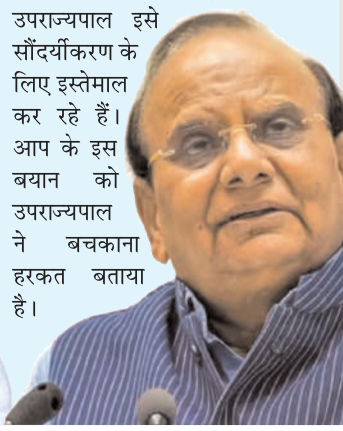

यह शिवलिंग नहीं शिल्पकृति है : एलजी

उपराज्यपाल ने यक्षिणी की मूर्तियों के अनावरण के मौके पर कहा कि फव्वारे पर बना यह शिवलिंग नहीं है। यह एक शिल्पकृति है, जिसे राजस्थान के कलाकारों ने बनाया है। उनका कहना है कि इस देश के कण-कण में भगवान विराजमान हैं। लोग पेड़ों को राखी बांधते हैं, पत्थरों की पूजा करते हैं। इस देश में जिसकी जैसी भावना होती है, वह उसी तरीके से भगवान की पूजा करता है। उपराज्यपाल के इस बयान पर निशाना साधते हुए आम आदमी पार्टी से विधायक व एमसीडी के प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि जिस शिवलिंग को पवित्र पानी व दूध से पूजा जाता है, उसको उपराज्यपाल ने चौराहे पर लगवा दिया। अब कह रहे हैं कि ये तो पत्थर है, आस्था है तो भगवान मानो, हमारे लिए तो शिल्पकृति हैं। उन्होंने कहा कि शिवलिंग के अपमान की शिकायत दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त से की है। पुलिस ने एलजी पर उपयुक्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उपराज्यपाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए।

मराठा आरक्षण आंदोलन में हिंसा पर बीजेपी मांगे माफी : सुप्रिया सुले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के जालना जिले में मराठा आरक्षण आंदोलन शुक्रवार को हिंसक हो गया, जिसमें 38 पुलिसकर्मियों सहित कई लोग घायल हो गये। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस लाठीचार्ज को लेकर बीजेपी सरकार की आलोचना करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि भाजपा सरकार ने समाज को धोखा दिया है और इसके लिए उन्हें मराठा समुदाय से माफी मांगनी चाहिए। सुप्रिया सुले ने अपने एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर लिखा, मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, यह बहुत अपमानजनक है।

मराठा आरक्षणाच्या मागणीसाठी आंदोलन करणाऱ्या आंदोलकांवर पोलीसांनी लाठीचार्ज केला? हे अतिशय संतापजनक आहे, मराठा समाजाला आरक्षण देण्याच्या भुलथापा देऊन भाजपाने मते घेतली परंतु आरक्षणाच्या बाबतीत मराठा समाजाला केवळ आश्वासने देण्यापलीकडे भाजपाने काहीही केले नाही, ही वस्तुस्थिती आहे1, 2023 एनसीपी नेता ने कहा, सच्चाई यह है कि बीजेपी ने मराठा समुदाय को आरक्षण देने का भ्रम देकर वोट हासिल किए. लेकिन हकीकत यह है कि भाजपा ने आरक्षण के मामले में मराठा समुदाय को वादे देने के अलावा कुछ नहीं किया है।

मप्र भाजपा लुटेरों का झुंडः वीरेंद्र

» कांग्रेस में जाने के बाद विधायक बोले- सिंधिया के अहसान तले दबे हैं शिवराज व वीडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। शिवपुरी जिले की कोलारस विधानसभा क्षेत्र से विधायक वीरेंद्र रघुवंशी ने भाजपा छोड़ी तो उनका दर्द बाहर आ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी का अहसान बहुत बड़ा है। उन्होंने विधायकों को 35-35 करोड़ में खरीदने में उनकी मदद की है। इस वजह से बीते साढ़े तीन साल से न तो शिवराज जी ने मेरी बात सुनी और न ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने। मेरी शिकायतों को दरकिनार किया गया।

इसी वजह से मुझे और भाजपा के अन्य कार्यकर्ताओं को भाजपा में रहकर काम करना मुश्किल हो गया है। रघुवंशी ने कहा कि साढ़े

तीन साल पहले धन-बल पर सिंधिया जी के साथ भाजपा ने सरकार बनाई। सिंधिया जी के मंत्री हो, विधायक हो या अन्य समर्थक, जिस तरह से उन्होंने ग्वालियर-चंबल संभाग में भाजपा को व्यक्तिगत संस्था बनाकर काम करना शुरू किया है, उससे हमारे जैसे कार्यकर्ताओं को परेशानी हो रही है। मूल भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। मेरे खिलाफ भी प्रभारी मंत्री ने एफआईआर दर्ज करवाने के प्रयास किए।

देश में एक राष्ट्र-एक चुनाव व्यावहारिक नहीं

» शशि थरूर बोले- देश के मुख्य कार्यकारी का चयन संसदीय बहुमत से होता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 'एक राष्ट्र, एक चुनाव के प्रस्ताव की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसा कोई व्यावहारिक तरीका नहीं है जिससे ऐसी प्रणाली लागू की जा सके। थरूर ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का सदस्य बनने के बाद अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के पहले दौरे पर कहा कि सरकार की 'एक राष्ट्र, एक चुनाव पहल संसदीय लोकतंत्र पर आधारित मौजूदा प्रणाली के खिलाफ होगी, जहां सदन में बहुमत खोने पर पार्टियां सत्ता में बनी नहीं रह सकती हैं।

थरूर ने कहा, यह कोई व्यावहारिक तरीका नहीं है जिससे आप ऐसी प्रणाली

लागू कर सकें। शशि थरूर ने कहा कि देश के मुख्य कार्यकारी का चयन संसदीय बहुमत और विधायी बहुमत से होता है और जैसे ही बहुमत जाता है, किसी भी कारण से, सरकार गिर जाती है, फिर कैलेंडर के अनुरूप नया चुनाव कराना होगा। उन्होंने कहा कि 1947 और 1967 के बीच, भारत में सभी राष्ट्रीय और राज्य चुनाव एक ही तारीख को होते थे, लेकिन 1967 में गठबंधन सरकार गिरने और कैलेंडर फिसल जाने पर यह व्यवस्था ध्वस्त हो गई।

वन नेशन वन इलेक्शन का फैसला समाज के बहुमत के आधार पर होगा : वीडी शर्मा

भोपाल। वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर प्रदेश में सियासत गरमा गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन का फैसला समाज के बहुमत के आधार पर होगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि मैं ऐसा मानता हूं वन नेशन, वन इलेक्शन हो, वन नेशन वन राशन कार्ड हो। समाज के अंदर चर्चाएं होती रही हैं और चर्चाएं चल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के बहुमत के आधार पर फैसला लेंगे। उसके आधार पर चीज तय होगी। लेकिन आज इस पर कुछ कहा जाए मैं इसे उचित नहीं मानता। भाजपा विधायक वीरेंद्र रघुवंशी के पार्टी छोड़ने पर वीडी शर्मा ने कहा कि चुनाव आने पर यह सब होता है। भाजपा अपनी पद्धति पर काम करती आई है। अब उन्हें अपनी परिस्थितियां दिख रही होगी। इसलिए आरोप लगा रहे है। यह चुनावी समय है। किसी के आरोप लगाने से कुछ नहीं होता।

इंडिया की कमेटियों में सपा को अहम जिम्मेदारी

» जावेद अली व आशिष यादव कमेटी में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया की तैयारियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को मुंबई में बैठक के बाद कई कमेटियों के गठन की घोषणा की गई। यूपी के सबसे बड़े विपक्षी दल सपा को तरजीह दी गई है। तीन कमेटियों में सपा के नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। गौरतलब हो कि भारतीय जनता पार्टी से सीधा मुकाबला के लिए विपक्षी गठबंधन की ओर से इस बार बड़ी रणनीति तैयार की जा रही है।

तमाम सहयोगी दलों के बीच समन्वय बनाए रखने और कार्यक्रमों को एक हिसाब से चलाने के लिए मुंबई में हुई विपक्षी गठबंधन के बाद कई कमिटियों का ऐलान किया गया है। इन कमिटियों में सभी दलों के सदस्य रखे गए हैं। इन सदस्यों को अपने-अपने दल की रणनीति के साथ एक समेकित कार्ययोजना पर काम करना होगा। इसी प्रकार की दो कमिटियों में आशीष यादव का नाम भी सामने आया है। आशीष यादव को अखिलेश यादव के करीबियों में गिना जाता है। इस कारण विपक्षी गठबंधन की

तीन कमेटियों में मिली है जगह

कमिटियों में उन्हें तबज्जो मिली है। विपक्षी गठबंधन इंडिया सर्वोच्च इकाई कमिटी में 13 नेताओं को स्थान दिया गया है। वहीं, चुनाव अभियान कमिटी में 19 सदस्य रखे गए हैं। इसी प्रकार सोशल मीडिया कमिटी में 12 सदस्यों का वर्किंग ग्रूप तैयार किया गया है। इस कमिटी में मीडिया के लिए 19 और रिसर्च के लिए 11 लोगों की टीम रहेगी। आशीष यादव मूल रूप से झांसी के रहने वाले हैं। उन्होंने पत्रकारिता से करियर की शुरुआत की थी। अभी वे समाजवादी पार्टी की सोशल मीडिया का काम देखते हैं। आशीष यादव को इंडिया की दो कमिटियों में जगह मिली है। उन्हें वर्किंग ग्रुप ऑफ सोशल मीडिया और वर्किंग ग्रुप ऑफ मीडिया में रखा गया है। इन कमिटी में सपा की ओर से राजीव निगम का भी शामिल है। सर्वोच्च इकाई कमिटी में जावेद अली को रखा गया है। जावेद अली समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद हैं। वे मूल रूप से संभल जिले के मिर्जापुर नसरुल्लापुर के रहने वाले हैं। उन्हें सपा महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव के करीबी नेताओं में गिना जाता है।

तीनों समितियों में सपा को स्थान

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों और प्रदेश की राजनीति में मुख्य विपक्षी दल की भूमिका को देखते हुए इंडिया की गठित तीनों कमिटियों में समाजवादी पार्टी को स्थान मिली है। इंडिया की सर्वोच्च यूनिट कमिटी में सांसद जावेद अली खान को रखा गया है। वहीं, चुनाव अभियान समिति और सोशल मीडिया कमिटी में आशीष यादव को जगह दी गई है।

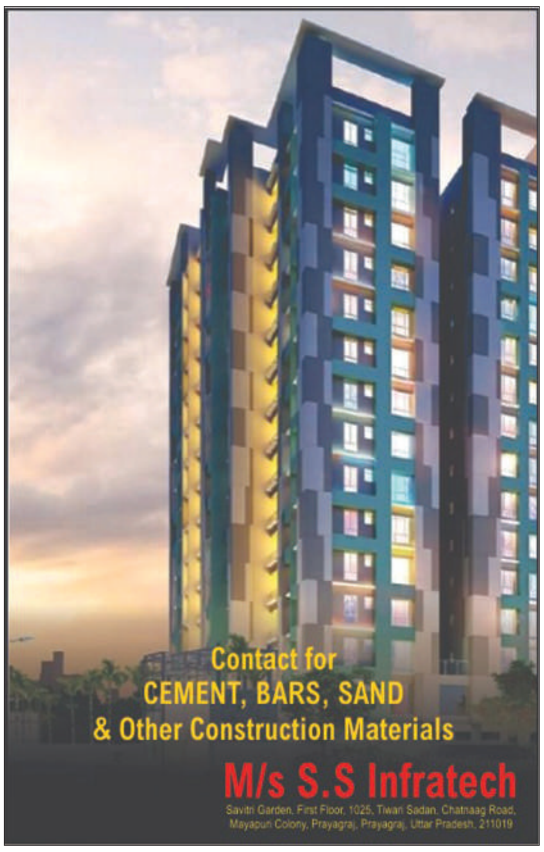

एक देश एक चुनाव, एक सियासी दांव!

विपक्ष बोला- इंडिया गंठबंधन से घबरा गई मोदी सरकार

- » केंद्र की भाजपा सरकार ने चली चुनावी चाल
- » सरकार की दलील- देश के भविष्य के लिए अच्छा
- » 2024 के लोस चुनाव में बन सकता है मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक देश एक चुनाव का मुद्दा उठाकर केंद्र की भाजपा सरकार ने 24 के लोक सभा चुनाव की अपनी रणनीति जता दी है। उसने इसके लिए समिति का गठन भी कर दिया है। हालांकि उसके इस फैसले पर विपक्ष ने कड़ा एतराज जताया है। जबकि सरकार कह रही इस फैसले से देश को आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा और चुनावी खर्च बचेगा जिससे प्राप्त धन का प्रयोग विकास कार्यों में लगेगा। सियासी जानकारों का मानना है कि भाजपा की ओर से चले गए इस दांव को कोई भी राजनीतिक दल खुलकर खारिज नहीं कर सकता। क्योंकि अलग-अलग होने वाले चुनावों से जनता भी सीधे तौर पर प्रभावित होती है। हालांकि अगर एक देश एक चुनाव की प्रक्रिया लागू हो गई तो क्षेत्रीय दलों के लिए सियासी तौर पर बड़े संकट का सामना भी करना पड़ सकता है।

एक देश एक चुनाव वह पब्लिक इंट्रेस्ट का मुद्दा है जो सीधे तौर पर जनता को प्रभावित करता आया है। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि वैसे तो यह फैसला सियासी तौर पर बड़ी चुनौतियां वाला है। क्योंकि इसके लिए क्षेत्रीय संगठन खुलकर समर्थन करने से कतरा सकते हैं। इसके पीछे वह तर्क देते हैं कि लोकसभा और विधानसभा के चुनावों के मुद्दे पूरी तरह से अलग होते हैं। चूंकि क्षेत्रीय दल हमेशा स्थानीय मुद्दे और विधानसभा के लिहाज से चुनावी तैयारी करते हैं। ऐसे में अगर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होंगे तो मुद्दों की राजनीति में क्षेत्रीय दल खुद को इतना मजबूत नहीं पाएंगे। इसके अलावा देवेश चतुर्वेदी कहते हैं कि सदन में अगर इस पर प्रस्ताव को लाया जाता है तो यह लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों के अलावा इसमें साथ देश के अलग-अलग राज्यों की सहमति की भी आवश्यकता पड़ेगी। वर्ष 2014 के अपने लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ करवाने की दिशा में काम करने का वादा किया था। वर्ष 1967 तक भारतभर में एक साथ चुनाव कराए जाने का चलन रहा है। और देश में चार बार चुनाव इसी तरह हुए थे। वर्ष 1968-69 में कुछ राज्यों की विधानसभाओं को समय से पहले भंग कर देने की वजह से यह चलन खत्म हो गया। लोकसभा भी पहली बार वर्ष 1970 में तय समय से एक साल पहले भंग कर दी गई थी, और उसके बाद 1971 में मध्यावधि चुनाव भी हो गए थे। इस फैसले की जानकारी होते ही बीजेपी के कई नेताओं ने इसे देश के बेहतर भविष्य के लिए उठाया जाने वाला सही फैसला बताया है। वहीं इस दिशा में आगे बढ़ने को लेकर केंद्र की दलील है कि लॉ कमीशन ने रिपोर्ट में कहा जा चुका है कि देश में बार-बार चुनाव कराए जाने से सरकारी खजाने के पैसे और संसाधनों की जरूरत से अधिक बर्बादी होती है। संविधान के मौजूदा ढांचे के भीतर एक साथ चुनाव करना संभव नहीं है इसलिए हमने कुछ जरूरी संवैधानिक संशोधन करने के सुझाव दिए हैं। वहीं आयोग ने सुनिश्चित किया है कि संविधान में आमूलचूल संशोधन की जरूरत है, जिस पर चर्चा होनी चाहिए।

संविधान में संशोधन की जरूरत

पूरे देश में, यानी केंद्र और राज्यों में, एक ही बार में एक साथ चुनाव कराने की कवायद की तरफ़ आगे कदम बढ़ाने में काफ़ी ज़्यादा वक्त लग सकता है। इसके लिए कम से कम चार संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होगी, संविधान के जिन अनुच्छेदों में संशोधन की ज़रूरत पड़ेगी, वे हैं। अनुच्छेद 83 (2) इसमें कहा गया है कि लोकसभा का कार्यकाल पांच वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए, हालांकि इसे समय से पहले भंग किया जा सकता है। अनुच्छेद 85 (2) (बी), लोकसभा को भंग कर देने से मौजूदा सदन का अस्तित्व समाप्त हो जाता है और नए सदन का गठन आम चुनाव के बाद ही होता है। अनुच्छेद 172 (1) एक राज्य विधानसभा भी पांच साल तक अस्तित्व में रहती है, जब तक कि उसे समय से पहले भंग न कर दिया जाए। अनुच्छेद 174 (2) (बी) - राज्यपाल के पास कैबिनेट की सलाह पर विधानसभा को भंग करने की शक्ति होती है, राज्यपाल स्वविवेक का प्रयोग कर सकते हैं, यदि सलाह ऐसे मुख्यमंत्री से मिले, जिसका बहुमत संदेह में हो। किसी भी संवैधानिक संशोधन को मंज़ूरी देने के लिए सदन के दो-तिहाई सदस्यों को मतदान के लिए उपस्थित होना चाहिए।

समिति तैयार करेगी रिपोर्ट

एक देश, एक चुनाव की दिशा में सरकार ने पहला कदम उठा दिया है। दरअसल सरकार ने इसकी संभावनाओं पर विचार के लिए एक कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी का अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को बनाया गया है। कमेटी के सदस्यों पर थोड़ी देर में नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। हालांकि विपक्षी पार्टियों ने सरकार के इस कदम पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने सवाल किया है कि अभी इसकी क्या जरूरत है? पहले महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों का निवारण होना चाहिए।

क्षेत्रीय दलों पर पड़ेगा बड़ा असर

राजनीति के जानकारों का मानना है कि एक देश, एक चुनाव अगर देश में लागू हो जाता है तो इसका सबसे ज्यादा नुकसान क्षेत्रीय दलों को होगा। दरअसल लोकसभा चुनाव में आमतौर पर मतदाता राष्ट्रीय मुद्दों के आधार पर और राष्ट्रीय पार्टी को वोट देना पसंद करते हैं। ऐसे में अगर लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव होंगे तो हो सकता है कि क्षेत्रीय दलों को इसका नुकसान झेलना पड़े।

आसान नहीं है फैसला

सरकार ने एक देश, एक चुनाव की संभावनाओं पर विचार के लिए कमेटी का गठन कर दिया है। हालांकि सरकार के लिए भी इस फैसले को लागू करना और इस संबंध में कानून बनाना आसान नहीं होगा। दरअसल एक साथ चुनाव कराने के लिए कई विधानसभाओं के कार्यकाल में मनमाने ढंग से कटौती करनी पड़ेगी। जिसका विरोध होना तय है।

क्या है एक देश, एक चुनाव?

बता दें कि इस विशेष सत्र के दौरान एक देश एक चुनाव, समान नागरिक संहिता और महिलाओं के आरक्षण के मुद्दों पर विधेयक पेश करने की संभावना है. संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विशेष सत्र को लेकर कहा, अमृत काल के बीच संसद में सार्थक चर्चा और बहस की उम्मीद है. एक देश एक चुनाव के तहत लोकसभा चुनाव और अलग-अलग राज्यों की विधानसभा चुनावों को एक ही समय पर कराया जाएगा. पहले भी कई दफा इस कानून को लाने पर विचार किया गया है. इस बारे में विधि आयोग से अध्ययन भी किया है। आपको बता दें कि इससे पहले देश में 1951-1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और सभी विधानसभाओं में एक साथ चुनाव कराए गए थे। बता दें कि चुनाव कराने की वित्तीय लागत, बार-बार प्रशासनिक स्थिरता, सुरक्षा बलों की तैनाती में होने वाली परेशानी और राजनीतिक दलों की वित्तीय लागत को देखते हुए मौजूदा सरकार एक देश, एक चुनाव की योजना पर विचार कर रही है। इसके तहत सरकार लोकसभा और सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराना चाहती है। साल 1951-52 में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए थे। इसके बाद 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए, लेकिन बाद में 1968, 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने और 1970 में लोकसभा को समय से पहले भंग होने से यह साथ चुनाव कराने का चक्र बाधित हो गया। यही वजह है कि अब स्थिति ये हो गई है कि हर साल कहीं ना कहीं चुनाव हो रहे होते हैं। ऐसे में सरकार फिर से लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की संभावनाओं पर विचार कर रही है। अब इस दिशा में कमेटी का गठन एक बड़ा कदम है।

लाखों ईवीएम की पड़ेगी जरूरत

संसद में संवैधानिक संशोधन विधेयक के पारित हो जाने के बाद उसे भारत के आधे राज्यों द्वारा अपनी-अपनी विधानसभाओं में प्रस्तावों के माध्यम से अनुमोदित किया जाना आवश्यक होता है। भले ही लोकसभा चुनाव और सभी राज्यों में विधानसभा चुनाव एक साथ करवाने के लिए संविधान में संशोधन कर लिया जाए, फिर भी देश को भारी संसाधनों की आवश्यकता पड़ेगी। इस तरह चुनाव आयोजित करने के लिए भारत में 25 लाख से अधिक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें और 25 लाख (वोटर-वेरिफाइड

पेपर ऑडिट ट्रेल) की ज़रूरत पड़ेगी, जबकि फ़िलहाल चुनाव आयोग मौजूदा प्रणाली से चुनाव करवाने के लिए ही संघर्ष करता रहता है, क्योंकि उनके पास 12 लाख से कुछ ही ज़्यादा इवीएम मौजूद हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

मणिपुर पर सुप्रीम कोर्ट की पैनी नजर

इतने महीने बाद भी मणिपुर पूरी तरह से शांत नहीं हुआ है। तभी तो सुप्रीम कोर्ट को दखल करना पड़ा। वहीं वहां की मशहूर खिलाड़ी खिलाड़ी व बॉक्सर को गृहमंत्री को पत्र लिखना पड़ा। ऐसे में सवाल उठता है कि सरकारें इतना ढीली-ढाली क्यों बनीं हुई हैं। हालांकि अच्छी खबर ये है कि अब धीर-धीरे वहां पर हिंसा पर काबू पाया जाने लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत सरकार और मणिपुर राज्य सरकार को मणिपुर हिंसा से प्रभावित लोगों को भोजन, दवाएँ और अन्य आवश्यक वस्तुओं जैसी बुनियादी आपूर्ति का वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने लोगों तक राशन पहुंचने से रोकने वाली नाकाबंदी से निपटने का भी निर्देश दिया और सरकार से ऐसा करने के लिए सभी विकल्प तलाशने का आग्रह किया, जिसमें लोगों के लिए हवा से राशन पहुंचाना भी शामिल है।

मामले के मानवीय पहलुओं से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित न्यायाधीशों की समिति की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने पीठ को दो मुद्दों की जानकारी दी, पहला, मणिपुर के मोरेह क्षेत्र में नाकाबंद की वज से बुनियादी राशन प्राप्त करने में परेशानी और दूसरा , कुछ राहत शिविरों में खसरा और चिकनपॉक्स का प्रकोप फैलना। जिसके बाद ये निर्देश पारित किए गए। शुरुआत में सीजेआई ने अरोड़ा से पूछा कि समिति सीधे सरकार तक पहुंचने के बजाय अदालत के सामने क्यों पेश हो रही है। इसके बाद सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता को समिति में नियुक्त नोडल अधिकारियों का औपचारिक नोटिस भेजने का निर्देश दिया ताकि समिति सीधे सरकार तक पहुंच सके। इस समय, प्रतिवादियों की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने हस्तक्षेप किया और कहा कि जब नाकेबंदी की बात आई तो समिति कुछ नहीं कर सकी। एसजी ने इसमें यह भी कहा कि यह समिति के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। वहीं मणिपुर में जातीय संघर्ष की स्थिति को लेकर बॉक्सिंग स्टार एमसी मैरी कॉम ने चिंता जताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। मैरी कॉम ने अमित शाह से हस्तक्षेप की मांग की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सुरक्षा बल दोनों संघर्षरत समूहों को मणिपुर के कॉम गांवों में घुसपैठ से रोकें। कॉम समुदाय मणिपुर की एक स्वदेशी जनजाति है और अल्पसंख्यकों में सबसे छोटी जनजाति में से एक है। दोनों प्रतिद्वंद्वी समुदायों के बीच बिखरे हुए हैं... दोनों तरफ से मेरे समुदाय के खिलाफ हमेशा अटकलें और संदेह होते हैं, और सभी लोग समस्याओं के बीच में फंसे हुए हैं... कमजोर आंतरिक प्रशासन और अल्पसंख्यक जनजातियों के बीच समुदाय के रूप में छोटे आकार के कारण हम अपने अधिकार क्षेत्र में घुसपैठ करने वाली किसी भी ताकत के खिलाफ खड़े होने में सक्षम नहीं हैं।

" सुप्रीम कोर्ट ने भारत सरकार और मणिपुर राज्य सरकार को मणिपुर हिंसा से प्रभावित लोगों को भोजन, दवाएँ और अन्य आवश्यक वस्तुओं जैसी बुनियादी आपूर्ति का वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने लोगों तक राशन पहुंचने से रोकने वाली नाकाबंदी से निपटने का भी निर्देश दिया और सरकार से ऐसा करने के लिए सभी विकल्प तलाशने का आग्रह किया, जिसमें लोगों के लिए हवा से राशन पहुंचाना भी शामिल है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रणनीति में शामिल हो कुशल पेशेवर और तकनीक

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जी-20 डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्यसमूह के मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के आपस में जुड़ जाने के बाद साझा सुरक्षा जोखिम पैदा हो गया है। इसके लिए डिजिटल सुरक्षा पर परस्पर तालमेल की सख्त आवश्यकता है। इंटरनेट की वजह से सारी दुनिया एक ग्लोबल विलेज में बदल गई है। साथ ही भारत में जैसे-जैसे डिजिटलीकरण का दायरा बढ़ता जा रहा है वैसे-वैसे साइबर सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी तेजी से बढ़ रही हैं। वर्तमान में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की मांग और आपूर्ति में लगभग 30 प्रतिशत का अंतर दर्ज किया गया है। संकट का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि सिर्फ मई माह में ही 40 हजार पद इस साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में रिक्त पाए गए, जिनके लिए संस्थानों को साइबर सुरक्षा के कुशल पेशेवर नहीं मिल सके।

रोजगार संबंधी विषयों पर काम करने वाली संस्था टीम लीज सर्विस की साइबर सुरक्षा की चुनौतियों और रोजगार की संभावनाओं पर हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 में देशभर में साइबर सुरक्षा से जुड़ी 14 लाख से अधिक घटनाएं दर्ज की गईं, जो कि 2021 की तुलना में तीन गुणा अधिक है। कुछ समय से देश के प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण संस्थानों पर लगातार साइबर हमले हो रहे हैं। पिछले दिनों दिल्ली में एम्स के सर्वर पर हुए हमले का मामला भी है जिससे लगभग 40 मिलियन स्वास्थ्य रिकॉर्ड की गोपनीयता भंग हुई और दो सप्ताह तक सिस्टम आउटेज की स्थिति बनी रही। एक अन्य हमले में एक रैंसमवेयर समूह 'ब्लैककैट' शामिल था जिसने रक्षा मंत्रालय के गोला-बारूद और विस्फोटक निर्माता सोलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड की मातृ कंपनी की सुरक्षा को भंग किया और दो टेराबाइट से अधिक डेटा की चोरी कर ली। भविष्य में इस तरह के हमलों को रोकने के लिये साइबर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है।

फिलहाल यह सवाल उठना बहुत लाजिमी हो गया था कि साइबर हमलों से निपटने के लिए हमारा देश कितना तैयार है? क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण और संवेदनशील मामला है जिस पर विचार करना बेहद जरूरी है । हम सब की निर्भरता इंटरनेट पर बहुत ज्यादा बढ़ने की वजह से आज के आधुनिक माहौल में साइबर सुरक्षा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो चली है । साइबर विशेषज्ञों के अनुसार भारत में जितने बड़े सर्वर

मौजूद हैं, वे हैकिंग प्रुफ नहीं हैं। हमारे यहां भी तभी हम जागते हैं, जब कोई बड़ा साइबर अटैक हो। हैकर्स के नए तरीकों का सॉल्यूशन ढूंढने में महीनों लग जाते हैं। एक तरफ हम डिजिटल इंडिया और कैशलेस इकॉनमी की बात कर रहे हैं, दूसरी तरफ डिजिटल प्राइवेसी और डेटा की सुरक्षा के लिए हमारा कानूनी ढांचा बहुत ही प्रारंभिक स्तर का है। हमारा पड़ोसी देश चीन, साइबर सुरक्षा और जासूसी के खतरों को कम करने के लिए खुद के कंप्यूटर चिप और विशाल सर्वर बनाने में जुटा हुआ है। लेकिन हम आज भी इसके लिए विदेशी चिप और विदेश में स्थित सर्वरों पर निर्भर हैं। साइबर सुरक्षा के नाम पर कुछ गिनी-चुनी जगहों पर पुलिस का एक महकमा बना दिया गया है, जो अपराध हो जाने के बाद रस्म अदायगी जैसा कुछ कर देता है। साइबर सुरक्षा की यह अवधारणा ही गलत है। हमें तो विशेषज्ञों का ऐसा सक्षम तंत्र चाहिए, जो साइबर संसार पर निगरानी रखे और किसी भी तरह की गड़बड़ी की आशंका देखते ही सतर्क कर दे। इसके लिए मैनपॉवर के अलावा तकनीकी सुधार की भी जरूरत है। देश में बड़ी संख्या में आउटडेटेड कंप्यूटर सिस्टम चल रहे हैं। जो साइबर ठगों का सबसे आसान टारगेट हैं। यही हाल मोबाइल फोन्स से जुड़ी साइबर सुरक्षा का भी है। पिछले दिनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 'फ्रेंड्स ऑफ ब्रिक्स' की बैठक में साइबर सुरक्षा से निपटने को सामूहिक प्रयास की बात करते हुए कहा था कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस , बिग डाटा और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी प्रौद्योगिकियों की वजह से साइबर सुरक्षा के लिए सबको सचेत रहना होगा।

देश के सरकारी रक्षा, विज्ञान और शोध संस्थान और राजनयिक दूतावास पर साइबर जासूसी का आतंक मंडरा रहा है। जैसे-जैसे इंटरनेट पर निर्भरता बढ़ रही है वैसे-वैसे साइबर सुरक्षा के खतरे भी बढ़ते जा रहे हैं। ये खतरे सारी दुनिया में बढ़ रहे हैं और इसका एक बड़ा कारण यह है कि साइबर सेंधमारी करने वाले तत्वों की पहचान भी मुश्किल है और उन तक पहुंच भी। इंटरनेट वायरस अथवा हैकिंग के जरिये सेंधमारी वह अपराध है जिसमें आमतौर पर अपराधी घटनास्थल से दूर होता है। कई बार तो वह किसी दूसरे देश में होता है और ज्यादातर मामलों में उसकी पहचान छिपी ही रहती है।

मध्य एशिया में चीनी रेल से रूस नाखुश

पुष्परंजन

चीन दुरभिसंधि करता है, दोस्त किसी को नहीं बनाता। जो उसे दोस्त समझने की भूल करते हैं, सन् 62 की स्थिति का सामना करते हैं। रूसी लीडरशिप उसी रास्ते पर है। संभव है उसे भी जोर का झटका धीरे से लगे। अक्टूबर में चीनी प्रधानमंत्री ली छियांग किर्गिस्तान की यात्रा पर जा रहे हैं। मकसद है चीन-किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान रेल परियोजना पर चर्चा और उसे आगे बढ़ाना। दशकों से लंबित इस रेल परियोजना को अंजाम देने की बात से मास्को प्रसन्न नहीं है। उसकी वजह है सेंट्रल एशिया में चीनी प्रभामंडल का विस्तार होना। चीन-किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान समरकंद में शंघाई कार्पोरेशन आर्गेनाइजेशन (एससीओ) की बैठक में सहमत हुए थे कि इस रेल परियोजना पर आगे बढ़ेगे। इस साल भारत 'एससीओ' का अध्यक्ष देश था, मगर 4 जुलाई, 2023 को जब आभासी शिखर बैठक हुई, इस विषय को चर्चा से दूर रखा गया। जब समरकंद में इस रेल परियोजना पर त्रिपक्षीय सहमति हुई, कूटनीतिक क्षेत्रों में यह कहा गया कि इससे यूरेशियाई व्यापार को न सिर्फ नया आकार मिलेगा, बल्कि क्षेत्रीय-आर्थिक व भू-राजनीतिक प्रभाव भी पैदा होंगे।

मास्को को लंबे समय से चिंता थी कि यह परियोजना सेंट्रल एशिया में शक्ति के मौजूदा संतुलन को बिगाड़ सकती है। क्रेमलिन के रणनीतिकार मानते हैं कि बढ़ते चीनी निवेश के कारण यह क्षेत्र चीन पर अधिक निर्भर हो जाएगा। रूस के ट्रांस-साइबेरियन रेलवे ने चीन द्वारा प्रस्तावित रेल परियोजना को सीधी प्रतिस्पर्धा माना है। रूस को चीन-यूरोप रेलवे एक्सप्रेस से भी आर्थिक लाभ मिलता रहा है, जो यूरोप पहुंचने के लिए रूस से होकर गुजरती है। हाल के वर्षों में किर्गिस्तान ने भी चीनी रेल परियोजना को पुनर्जीवित करने में बहुत दिलचस्पी दिखाई थी। वर्ष 2020 में, तत्कालीन किर्गिज राष्ट्रपति सूरोनबे जीनबेकोव ने देश के लिए रेल नेटवर्क के महत्व पर जोर दिया था, जिसमें चीन-किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान रेलवे रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण था। किर्गिस्तान ने थ्री प्लस वन के फार्मूले पर भी जोर दिया था, जिसमें रूसी सहकार को जगह देने की जुगत थी। मगर, चीन ने धीरे से इस प्रस्ताव को एक तरफ कर दिया।

सन् 1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद, जमीन से घिरे मध्य एशियाई देशों को एक रेलवे नेटवर्क विरासत में मिला जो मॉस्को के बरास्ते शेष विश्व को जोड़ता था। वर्ष 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण से पहले, चीन, मध्य एशियाई देशों और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार के लिए रूसी सड़कें व रेलवे प्रमुख धमनियों के रूप में कार्य करती थीं। वर्ष 1990 के दशक में प्रस्तावित यह परियोजना तकनीकी, वित्तपोषण और ट्रैक गेज की चौड़ाई पर असहमति की वजह से खटाई में पड़ गई। किर्गिस्तान दरअसल यूक्रेन युद्ध के बाद से इस चीनी रेल प्रस्ताव के प्रति गंभीर हुआ। रूस पर प्रतिबंध के बाद सेंट्रल एशिया के कई देश कनेक्टिविटी को लेकर परेशान हो चुके हैं। प्रभावित पक्ष वैकल्पिक मार्गों की तलाश कर रहे हैं, जिनमें से एक चीन-किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान रेलवे है। इस समस्या के हवाले से किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सादिर जापारोव ने 2022 में कहा था, हमारे देश को पानी की तरह इस रेलवे की भी जरूरत है। रूस ने भी इस परियोजना के मार्ग में बाधक बनना नहीं चाहा है।

छह अरब डॉलर की इस परियोजना में उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और चीन द्वारा वैकल्पिक मार्ग के रूप में अधिक रुचि दिखाने के बाद, रूस ने लंबे समय से चले आ रहे अपने रुख को बदल दिया है। बताते हैं कि किर्गिस्तान के राष्ट्रपति जापारोव ने सितंबर, 2022 में एससीओ सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत में उनकी सहमति ले ली थी। उसके बाद से तीनों मुल्कों के शासन प्रमुखों ने इस रेल परियोजना के मसौदे पर हस्ताक्षर किये थे। अब पुतिन की हामी को रूस के कुछ रणनीतिकार सही कदम नहीं मानते हैं। चीन ने हस्ताक्षर के साथ ही इस रेल मार्ग का अद्यतन सर्वे कराना शुरू किया, जो मई, 2023 में मुकम्मल हो चुका था। सर्वे के समय किर्गिस्तान ने एक ऐसे मार्ग पर जोर दिया था जो उत्तर की ओर अधिक आबादी वाले क्षेत्रों की सेवा करेगा। हालांकि आधिकारिक मार्ग का खुलासा नहीं किया गया है, किर्गिज नेशनल रेलवे के प्रस्ताव से पता चलता है कि किर्गिस्तान में रेलवे शिन्चियांग में चीन के काशगर रेल टर्मिनल और अंदीजान में उज्बेकिस्तान के रेल नेटवर्क से वाया टोरुगार्ट-अरपा-मकमल-जलालाबाद कॉरिडोर से जुड़ेगा। चीन ने रेल ट्रैक के आकार परिवर्तन की समस्या को भी सुलझा लिया है। उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान में 1.52 मीटर का चौड़ा रेलवे ट्रैक है, जबकि चीन 1.435 मीटर के संकीर्ण रेलवे ट्रैक का उपयोग करता है। इस समस्या के समाधान के लिए, किर्गिज-उज्बेक सीमा के पास एक अनलोडिंग स्टेशन पर ट्रेनों के पहिए बदले जाएंगे।

चीन की महत्वाकांक्षी 'ओबीओआर' के लिए 'सेंट्रल-वेस्ट एशिया कॉरिडोर' सर्वाधिक अहम होता चला गया है। कनेक्टिविटी के अलावा दूसरा महत्वपूर्ण कारण शिन्चियांग की उईगुर आबादी है। उरूम्छी शिन्चियांग की राजधानी है, जहां आबादी का घनत्व सबसे अधिक है। जो लोग शिन्चियांग से बाहर निकले, उन्होंने कजाकस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, तुर्की, सऊदी अरब, जार्डन, ऑस्ट्रेलिया, रूस, स्वीडन जैसे देशों में उईगुर डायसपोरा को मजबूत किया। इन देशों से शिन्चियांग को स्वायत्त किये जाने की मांग निरंतर उठ रही है। समय के साथ-साथ चीन ने प्रतिरोध के स्वर को दबाने में कामयाबी पाई है। अब तुर्की भी उईगुर में अत्याचार से मुंह फेर चुका है।

ये योगासन दफ्तर में दूर करेंगे थकान

चेयर पोज

इस आसन को मार्जरी बितिलासन कहते हैं। चेयर पोज को उत्कटासन योग के नाम से भी जाना जाता है। इसके अभ्यास से तनाव, सिरदर्द, कमर दर्द से छुटकारा मिल सकता है। चेयर पोज रीढ़ की हड्डियों और पैरों को मजबूती देता है और शरीर के निचले हिस्से पर असर दिखता है। इसे करने के लिए चेयर पर बैठकर रीढ़ की हड्डी को सीधा करें और दोनों दोनों पैरों को फर्श पर रखें। दोनों हथेलियों को पैरों के घुटनों पर रखकर लंबी सांस को भीतर की ओर खींचते हुए सीने को बाहर की ओर निकालें। कंधे को पीछे की ओर ले जाएं और धीरे धीरे सांस छोड़ें। रीढ़ की हड्डी को पीठ की तरह ले जाकर मोड़ें। इस आसन को कम से कम पांच बार दोहराएं। उत्कटासन योग से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ का जिक्र मिलता है, हालांकि कुछ स्थितियों में इसे न करने की सलाह दी जाती है। जिन लोगों को घुटने का दर्द, गठिया या टखने में मोच की समस्या हो उन्हें इस योग मुद्रा का अभ्यास नहीं करना चाहिए। विशेष ध्यान रखें, मासिक धर्म या पीठ के निचले हिस्से में दर्द होने पर इस योग मुद्रा का अभ्यास करने से पहले किसी विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें।

ऊर्ध्व हस्तासन

ऊर्ध्व का अर्थ होता है ऊपर और तान का अर्थ तानना अर्थात शरीर को ऊपर की ओर तानना ही ऊर्ध्वोत्तानासन है। अनजाने में ही व्यक्ति कभी-कभी आलसवश दोनों हाथ ऊपर करके शरीर तान देता है। शरीर को ऊपर की ओर तानते हुए त्रिबंध की स्थिति में स्थिर रहना चाहिए। दफ्तर में लगातार काम करने से तनाव हो सकता है, इस आसन के अभ्यास से तनाव कम होता है और रीढ़ की हड्डी सीधी होती है। गर्दन, कमर और पीठ का दर्द ऊर्ध्व हस्तासन से दूर हो सकता है। इस आसन का अभ्यास करने के लिए कुर्सी पर बिल्कुल सीधा बैठकर सांस को अंदर की ओर खींचे और दोनों हाथों को ऊपर की ओर ले जाएं। कुछ देर इसी पोज में रहने के बाद सांस छोड़ते हुए हाथों को नीचे ले आएं। इस योग को 10 से 15 बार दोहराएं।

शारीरिक सक्रियता कम होने के कारण कई तरह की बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। भले ही लोग प्रतिदिन सुबह सैर पर जाते हैं और पैदल चलकर शरीर को सक्रिय बनाने की कोशिश करते हैं लेकिन दफ्तर में घंटों बैठकर काम करने से कमर, पीठ और गर्दन में दर्द होने लगती है। दफ्तर का कार्य 8 से 10 घंटे का होता है, इस दौरान कर्मचारी डेस्क पर लगातार एक ही मुद्रा में बैठकर कार्य करते हैं। कर्मचारी के मन और शरीर दोनों पर ही इसका प्रभाव पड़ता है। शरीर दर्द के साथ ही चर्बी बढ़ने की भी शिकायत होने लगती है। कुर्सी पर बैठकर काम करने से मोटापा बढ़ने लगता है और पेट निकलने लगता है। व्यायाम और योगाभ्यास से शारीरिक परेशानियों और मोटापे को कम किया जा सकता है। हालांकि दैनिक जीवन में अगर आपके पास व्यायाम या योग का वक्त नहीं होता है तो इसे दफ्तर में ही कर सकते हैं। ऐसे योगासन दफ्तर में कुर्सी पर बैठकर कर सकते हैं।

दफ्तर में करें स्ट्रेचिंग

दफ्तर में कुर्सी पर बैठकर आसानी से स्ट्रेचिंग करके थकान और शरीर में होने वाले दर्द से राहत पा सकते हैं। इससे ब्लड सर्कुलेशन और मांसपेशियों में हो रहे दर्द से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही कोलेस्ट्रॉल कम होता है। इसे करने के लिए कुर्सी पर बैठकर बाहों को ऊपर उठाएं और दोनों हाथों को सिर के ऊपर लाएं। अब दोनों हाथों को सिर के ऊपर क्रॉस करके शरीर को कमर के ऊपर की ओर खींचे और हाथों पर जोर दें। सांस को अंदर खींचते हुए हाथों और शरीर के ऊपर भाग को स्ट्रेच करें। तीन से चार बार इस प्रक्रिया को दोहराएं। प्रतिदिन स्ट्रेचिंग का अभ्यास करने से शरीर में लचीलापन आने लगता है जिससे कि पांव आदि को खोलने, मोड़ने में न तो दर्द होता है और अपने आप ही यह ज्यादा मुड़ने- खुलने लगते हैं, ऐसा होने पर इंसान कठिन से कठिन आसन बड़ी आसानी से करने लगता है इसलिए पांव की स्ट्रेचिंग का अभ्यास नियमित रूप से करना चाहिए।

हंसना मना है

डॉक्टर ने महिला मरीज से कई सवाल पूछने के बाद जानना चाहा-आपके कितने बच्चे हैं? तनिक लजाते हुए महिला ने बताया-उतने ही है बस जितने रोनाल्डो की जर्सी के नंबर हैं।

गुस्से में लाल– 'पीले होते वे महाशय दर्जी की दुकान पर चढ़े और बोले– 'देख रहे हो यह सूट? तुम कहते थे, कपड़ा कम है। मटका गली वाले दर्जी ने उसी कपड़े से सूट भी बनाया और जो कपड़ा बचा, उससे अपने पांच साल के लड़के का एक कोट भी बना लिया। मैं तुमसे पूछता हूं..'' मैं खुद ही बताये देता हूं।' दर्जी विनम्रता से बोला, 'असल में मेरा लड़का ग्यारह साल का है।'

पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल, सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थे, शादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते.. पति- क्या तुमने कभी किसी को... चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है...

गोलू की गर्लफ्रेंड गोलू से- जानू मैं तुम्हारे लिए आग पे चल सकती हूं, नदी में कूद सकती हूं... गोलू- मैं भी तुमसे बेइन्तहां प्यार करता हूं, क्या तुम मुझसे मिलने अभी आ सकती हो? गर्लफ्रेंड- पागल हो गए हो क्या, इतनी धूप में मैं काली पड़ गई तो...

कहानी: आखिर कर्म ही महान है

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछा- कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुनः बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है। यदि किसान बीमार बैल को छोड़ कर मेरा प्रवचन सुनने को प्राथमिकता देता तो दवा के बगैर बैल के प्राण निकल जाते। उसके बाद तो मेरा प्रवचन देना ही व्यर्थ हो जाता। मेरे प्रवचन का सार यही है कि सब कुछ त्यागकर प्राणी मात्र की रक्षा करो। इस घटना के माध्यम से गांव वालों ने भी उनके प्रवचन का भाव समझ लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेगें। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

तुला: किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृषभ: कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा। आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है।

वृश्चिक: यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। जरूरी वस्तु गुम हो सकती है।

मिथुन: पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। प्रमाद से बचें। जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है।

धनु: आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें।

कर्क: किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे।

मकर: रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा। विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा।

सिंह: व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। प्रमाद न करें।

कुम्भ: नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा।

कन्या: आज के दिन शुभता का लाभ मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

मीन: लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा।

आकांक्षा शर्मा संग स्क्रीन पर रोमांस करेंगे कार्तिक आर्यन

आशिकी-3 में ऐक्टर कार्तिक आर्यन तो एक्ट्रेस होंगी आकांक्षा शर्मा

पहली वाली आशिकी मूवी साल 1990 में रिलीज हुई थी। करीब 33 साल पहले। महेश भट्ट के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की कहानी से लेकर गाने तक, आज भी फेमस है। इसके बाद साल 2013 में मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी आशिकी 2 को रिलीज किया गया। ये फिल्म भी दर्शकों को बहुत पसंद आई। अब आशिकी-3 की तैयारी चल रही है। कार्तिक आर्यन पहले ही फाइनल हो चुके हैं। हीरोइन की तलाश जारी थी, जोकि अब पूरी हो गई है। खबर है कि कार्तिक स्क्रीन पर साउथ एक्ट्रेस संग रोमांस करेंगे।

वैसे तो आकांक्षा शर्मा साउथ एक्ट्रेस हैं। उन्होंने मुख्य रूप से कन्नड़ फिल्मों में काम किया है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि वो टाइगर श्रॉफ के साथ म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं। उन्हें हिंदी म्यूजिक वीडियो कैसानोवा और डिस्को डांसर 2.0 में देखा गया था। वो बादशाह के जुगनू सॉन्ग में भी हैं। उन्होंने साल 2022 में Trivikrama मूवी से डेब्यू किया था। कई विज्ञापनों में भी नजर आ चुकी हैं। उनका जन्म हरियाणा में हुआ। पढ़ाई-लिखाई मुंबई में हुई। कार्तिक आर्यन की अन्य फिल्मों की बात करें तो उन्हें सत्यप्रेम की कथा में कियारा आडवाणी संग देखा गया था। उनके पास चंदू चैंपियन भी है, जो साल 2024 में रिलीज होगी।

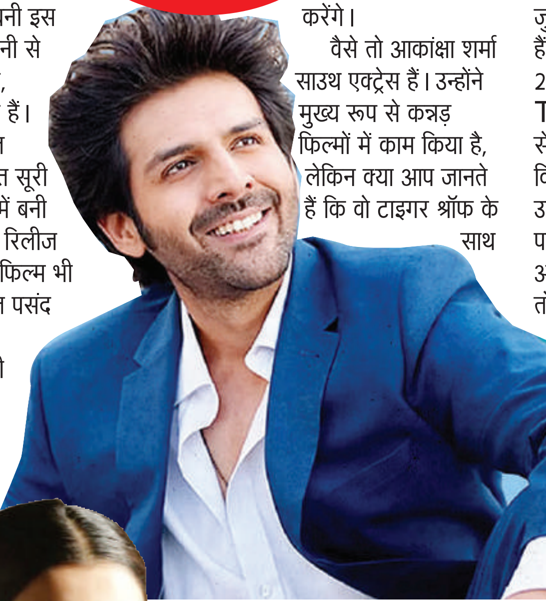

सामंथा रुथ प्रभु को मिला धोखा!

साउथ फिल्मों की जानी मानी अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु के चाहने वाले आज पूरी दुनिया में मौजूद हैं, जो उनकी हर बात जानने के लिए बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस ने अक्टूबर 2022 में फैंस को यह बताकर हैरान कर दिया था कि वह एक ऑटोइम्यून प्रॉब्लम मायोसिटिस से पीड़ित हैं। इसके बाद से ही एक्ट्रेस अपना ज्यादातर वक्त ट्रीटमेंट के लिए बिता रही हैं। हालांकि, इस दौरान भी उन्होंने एक के बाद एक कई फिल्मों में काम कर पावर पैक परफॉर्मेंसेज दीं। बीते दिनों ही सामंथा के मैनेजर ने कहा था कि एक्ट्रेस एक साल के ब्रेक पर रहेंगी। इसके बाद ही एक्ट्रेस छुट्टियों की तस्वीरें शेयर कर रही हैं। इसी बीच खबर आई है कि सामंथा को उनके एक बड़ा धोखा मिला है।

हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सामंथा को उनके मैनेजर ने ही धोखा दे दिया है, जिसकी वजह से एक्ट्रेस इन दिनों बहुत परेशान हैं। खबरों की माने तो, हाल ही में सामंथा अपनी अपकमिंग फिल्म कुशी के प्रमोशनल के लिए हैदराबाद गई थीं, इसी दौरान उन्हें तगड़ा आर्थिक झटका लगा है। ये झटका किसी और नहीं, बल्कि उनकी मैनेजर की वजह से ही लगा है। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस की मैनेजर की वजह से सामंथा को 1 करोड़ रुपये का नुकसान हो गया है।

इससे पहले जब एक्ट्रेस इलाज के लिए अमेरिका गई थीं तब भी उनकी मैनेजर ने पैसों में गड़बड़ी कर दी थी, जिसकी वजह से दोनों के बीच तीखी बहस भी हुई थी।

बॉलीवुड | **मन की बात**

बॉलीवुड में कनेक्शन से ज्यादा टैलेंट को तवज्जो देते हैं रोहित राज

फिल्म मिस्ट्री ऑफ द टैटू शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज कर दी गई है। इस थ्रिलर फिल्म में रोहित राज लीड रोल प्ले कर रहे हैं। खास बात ये है कि मिस्ट्री ऑफ द टैटू के साथ एक्टर बॉलीवुड में डेब्यू भी कर रहे हैं। रोहित राज बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत करने को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं। उन्होंने अपनी इस खुशी को जागरण डॉट कॉम के साथ भी शेयर किया। एक्सक्लूसिव बातचीत में एक्टर ने डेब्यू फिल्म, स्ट्रगल से लेकर बॉलीवुड तक कई इंटरेस्टिंग टॉपिक पर चर्चा की। रोहित राज को अपनी पहली ही फिल्म में कई बड़े स्टार्स के साथ काम करने का मौका मिला। मिस्ट्री ऑफ द टैटू में रोहित के साथ अमीषा पटेल, अर्जुन रामपाल और डेजी शाह जैसे एक्टर्स अहम किरदारों में हैं। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने बताया कि मैंने बहुत शुरू में ही तय कर लिया था कि मुझे एक्टर ही बनना है, लेकिन आप जहां पहुंचना चाहते हैं वहां तक पहुंचने के लिए एजुकेटेड होना भी जरूरी और फायदेमंद होता है। यही मेरी सोच है और मेरे परिवार की भी। मुझे नहीं लगता कि ये मुश्किल चीज है, बल्कि आपको इस दौरान बहुत कुछ सीखने को मिलता है। रोहित राज को अपनी पहली ही फिल्म में कई बड़े स्टार्स के साथ काम करने का मौका मिला। मिस्ट्री ऑफ द टैटू में रोहित के साथ अमीषा पटेल, अर्जुन रामपाल और डेजी शाह जैसे एक्टर्स अहम किरदारों में हैं। उन्होंने बताया कि मैंने लगातार कई सारे ऑडिशन दिए। जब भी मैं कोई ऑडिशन देता था तो फिर पीछे मुड़कर उसके बारे में नहीं सोचता था। बस आगे क्या है इस पर फोकस करता था। मुझे किन नए लोगों से मिलने की जरूरत है यही सोचता था। इस दौरान मेरी मुलाकात उन लोगों से हुई, जो मिस्ट्री ऑफ द टैटू के लिए ऑडिशन कर रहे थे। इस फिल्म के लिए मैंने 6 महीने तक स्क्रीन टेस्ट दिया और अंत में मुझे ये रोल मिल गया, तो मैं बहुत खुश हूं।

यहां की जमीन उगल रही हीरे-मोती, पूरा गांव खुदाई में जुटा

मप्र के दमोह जिला मुख्यालय से 16 किलोमीटर दूर बालाकोट गांव के नजदीक खिरका के पास की जमीन हीरे मोती उगल रही है। यह घटना दमोह की तीसरी घटना है। पहले तेंदूखेड़ा ब्लॉक के बोरिया, फिर दमोह के बिसनाखेड़ी और अब बालाकोट की जमीन से काले मोती निकल रहे हैं। इसकी जानकारी लगते ही कुछ ग्रामीण गैंती, सब्बल लेकर पहाड़ी पर इन काले मोतियों की तलाश में जुट गए। एक से दो दिन तक चली खुदाई के दौरान कुछ ग्रामीणों को काले मोती मिले, जिसकी खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल गई। इसके बाद सुबह 7 बजे से पूरा टोला खुदाई के औजार लेकर काले मोतियों की तलाश में जुट गया। यहां रोजाना 200 लोग पहाड़ी पर अलग-अलग जगह खुदाई करने में लगे हैं। वहीं ग्रामीणों की मानें तो एक माह से ऊंचे टीले पर खुदाई का काम चल रहा है। इस दौरान 1 किलो से भी अधिक काले मोती मिलने दावा किया जा रहा है। कुछ ग्रामीणों ने तो इन्हें बाजार में बेचने गए तो व्यापारियों ने इन्हें काफी ऊंचे दामों में खरीदा। हर एक काले-सफेद मोती के वजन और उसके आकार के बाद उसकी कीमत तय की गई। कुछ मोती साइज में बड़े हैं तो उनकी कीमत 10 से 15 हजार रुपये तो वहीं यदि साइज में 19-20 का फर्क लगा तो वह 5 से 7 हजार रुपये तक बिके हैं। बालाकोट के रहने वाले जगदीश ने बताया की पूरा टोला एक महीने से इस पहाड़ी इलाके में खुदाई कर रहा है। उन्हें भी खुदाई के दौरान 2 मनके या गुरिया मिले हैं। वहीं पुरातव अधिकारी सुरेंद्र चौरसिया ने बताया कि दमोह की यह तीसरी घटना है। इसके पूर्व तेंदूखेड़ा ब्लॉक के बोरिया, अभाना के नजदीक बिसनाखेड़ी ग्राम से भी ऐसी घटना सामने आई थी। लगभग 2 साल बाद यह तीसरी घटना बालाकोट से सामने आई है। चित्र देखने से प्रतीत होता है कि ये मनके या गुरिया हैं, जो मालाओं में पिरोए जाने वाले हैं। ये मनके बड़े ही आकर्षक और सुंदर हैं, जिन्हें देखकर ऐसा लगता है कि ये पुरातात्विक मनके या गुरिया हो सकते हैं।

अजब-गजब | **दुनिया के 10 सबसे खतरनाक देश**

इन देशों में सरेआम होते हैं रेप-मर्डर

हमारे पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का नाम दुनियाभर में खतरनाक देश के तौर पर कुख्यात है। वहां नेता से लेकर अभिनेता, क्रिकेटरों से लेकर आम नागरिक तक नहीं सुरक्षित हैं। आए दिन बम ब्लास्ट और आतंकवादी हमले होते रहते हैं। पर आपको ये जानकर हैरानी होगी कि हाल ही में दुनिया के 10 सबसे खतरनाक देशों की जो लिस्ट सामने आई है, उसमें पड़ोसी मुल्क का नाम तक नहीं है। इस बात से ये समझ आता है कि ये 10 देश हमारे पड़ोसी देश से भी ज्यादा खतरनाक हैं। हाउ स्टफ वर्क्स नाम की वेबसाइट ने हाल ही में एक रिपोर्ट पब्लिश की है जो दुनिया के 10 सबसे खतरनाक देशों के बारे में चर्चा कर रही है। ऑस्ट्रेलिया की अंतरराष्ट्रीय संस्था इंस्टिट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पीस के द्वारा ये लिस्ट 2023 में जारी की गई है जो सबसे ज्यादा हिंसा, इंसानों के जीवन और सकारात्मकता के पैमानों पर बनाई गई है। आखिर कौन से हैं ये मुल्क और क्यों हैं ये इतने खतरनाक, आइए आपको बताते हैं

अफगानिस्तान- शायद आप शुरुआत में ही समझ गए होंगे कि इस लिस्ट में पहला स्थान किस देश को मिला होगा। जब से साल 2021 में तालिबान ने इस देश को अपने कब्जे में लिया, तब से ही यहां से लोग भागने को तैयार हैं। उस दौरान भी ऐसी कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए थे जब लोग प्लेनों में भर-भरकर देश से निकलने की

कोशिश में लगे हुए थे। तालिबान के अजीबोगरीब नियम, लोगों के गले नहीं उतरते..और जो उनका पालन नहीं करते, उनकी मौत हो जाती है।

यमन- मिडिल ईस्ट और उत्तरी अफ्रीका के इलाकों में यमन लगातार तीसरी बार सबसे ज्यादा अशांत देश माना गया है। सिविल वॉर की वजह से साल 2015 से अब तक करीब डेढ़ लाख लोग यहां अपनी जान गंवा चुके हैं। आबादी का 13 फीसदी हिस्सा शरणार्थियों का है या फिर उन लोगों को जो एक जगह से दूसरी जगह आए हैं।

सीरिया- सीरिया का नाम सुनते ही आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों का ध्यान आ जाता है। ये देश सिविल वॉर, हिंसा, उत्पीड़न और आए दिन हमलों के मामले सामने आते रहते हैं। युनाइटेड नेशंस रिफ्यूजी एजेंसी के अनुसार 55 लाख लोग अब तक सीरिया छोड़कर भाग चुके हैं और लिस्ट में सीरिया को तीसरा स्थान मिला है।

साउथ सुडान- साल 2011 में साउथ सुडान, सुडान देश से अलग होकर नया देश बन गया था। पर दोनों देशों के बीच हिंसा के मामले सामने आते रहते हैं। सबसे खतरनाक देशों की लिस्ट में इस देश को चौथा स्थान दिया गया है। यहां नागरिकों की जिंदगी मौत से भी बदतर बताई जाती है। यौन हिंसा से जुड़े मामले भी सामने आते रहते हैं। इस देश से करीब 40 लाख लोग भाग चुके हैं।

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य- पांचवां स्थान कांगो का है। साल 2020 में जांबिया के साथ बिगड़ते रिश्तों के बाद से दोनों देशों में जंग सा माहौल रहता है जिस वजह से कांगो लिस्ट में शामिल हुआ है। यहां पर अक्सर जुर्म के खतरनाक मामले दर्ज किए गए हैं।

रूस- दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में से एक रूस ने हाल ही में यूक्रेन का जो हाल किया वो चौंकाने वाला था। युद्ध में रूस को भी काफी नुकसान हुआ है। ऐसे में रूस का इस लिस्ट में होना ज्यादा चौंकाने वाली बात नहीं है।

यूक्रेन- पिछले 2 सालों में यूक्रेन का क्या हाल हुआ है, ये तो आप सब जानते होंगे। यूक्रेन में साल 2022 तक हिंसा की वजह से हुई मौतें 82 हजार तक थीं। इसी वजह से ये पहली बार है जब यूक्रेन ने दुनिया के सबसे खतरनाक देशों की लिस्ट में जगह बनाई है।

राजस्थान में शासन-व्यवस्था पूरी तरह से नदारद : नड्डा

बोले-कांग्रेस आलाकमान को खुश करने में व्यस्त हैं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मणिपुर का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि राजस्थान से एक रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक आदिवासी महिला को उसके ससुराल वालों ने सरेआम निर्वस्त्र कर पूरे गांव में घुमाया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। इस गंभीर मामले को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक ट्वीट कर राज्य सरकार को घेरा।

नड्डा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अपना बचा हुआ समय दिल्ली में एक राजवंश को खुश करने में व्यतीत कर रहे है। इसके कोई दो राय नहीं है कि राज्य में महिला सुरक्षा के मुद्दे को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। आए दिन महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न की कोई न कोई घटना सामने आती रहती है। राजस्थान के प्रतापगढ़ का वीडियो चौंकाने वाला है। इससे भी बुरी बात यह है कि राजस्थान में शासन व्यवस्था पूरी तरह से नदारद है। राजस्थान के लोग राज्य सरकार को सबक सिखाएंगे। वहीं बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने महिलाओं के खिलाफ अपराध पर ढुलमुल रवैये को लेकर राजस्थान सरकार को आड़े हाथों लिया। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, आज राजस्थान शर्मसार है। इस बात से पता चलता है कि सरकार को प्रतापगढ़ की इस शर्मनाक घटना की जानकारी तक नहीं हुई।

राजस्थान सरकार ने तेजी से की कार्रवाई : गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर पोस्ट किया था, एडीजी क्राइम को तुरंत अपराध स्थल पर भेजा गया और हमने पुलिस को आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सभ्य समाज में इसके लिए कोई जगह नहीं है। त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में भेजा जाएगा।

सुरक्षा देने में असमर्थ सीएम महिला शक्ति से मांगें माफी : जोशी

जयपुर। प्रतापगढ़ मामले पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि एक बार फिर आज राजस्थान शर्मसार हुआ है। जोशी बोले कि प्रतापगढ़ जिले के धरियावद तहसील के पहाड़ा ग्राम पंचायत के निचला कोटा में महिला अत्याचार की घटना की प्रशासन को भनक नहीं लगती। ये बताता है कि आखिर राजस्थान क्यों महिला दुष्कर्म और अत्याचार में नंबर एक पर है। जिस सरकार के मंत्री अपराध को छुपाने के लिए कहते हैं कि परिवार का मामला है। दुष्कर्म होने पर कहते हैं कि झूठे मुक़दमे हैं, मर्दों के प्रदेश की बात करते हैं। ऐसे प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। आप गृह मंत्री होते हुए भी कुछ नहीं कर पाए। आप इस्तीफा दे और महिला शक्ति से माफ़ी मांगें कि यह सरकार उनकी सुरक्षा नहीं कर पाई।

भाजपा दंगा-फसाद वाली पार्टी है : तेजस्वी यादव

» बोले- लोकतंत्र और संविधान को खत्म करना चाहती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। विपक्षी दलों (इंडिया) की तीसरी बैठक से पहले बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। तेजस्वी ने भाजपा को दंगा-फसाद वाली पार्टी कह दिया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि लोग डरे हुए हैं। अगस्त के महीने में ही पिछले साल यानी 2022 में हमलोगों ने महागठबंधन की सरकार बनाई थी। उसी वक्त नीतीश जी और लालू जी ने तय किया था कि देश भर के सभी लोगों को एक करेंगे। एक प्लेटफॉर्म पर लाएंगे। और, आज देखिए ठीक एक बार फिर साल भर बाद मुंबई में बैठक हो रही है।

तेजस्वी ने आगे कहा कि यह विपक्षी दलों की एकता की तीसरी बैठक हो रही है। इसके कई मायने हैं। लोग चाहते थे कि एक सही विकल्प रखा जाए। ऐसा लोग चाहते थे। हमें पूरा विश्वास है कि जो लोकतंत्र और संविधान को खत्म करना चाहते हैं, देश का इतिहास बदलना चाहते हैं। जो दंगा-फसाद वाली पार्टी है, 2024 के चुनाव उसे लोग करारा जवाब देना चाहती है। इसलिए हम सब लोग एक हुए। अगर हमलोग एक नहीं होते तो जनता हमें माफ नहीं करती। तेजस्वी यादव ने रसोई गैस के दाम में कमी पर भी केंद्र सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि अगर हम आपकी जेब से 5,000 रुपए निकाल कर 200 रुपए वापस कर दें। तो बताइए, आपको फायदा हुआ या नुकसान? देश के लोग सच्चाई जानते हैं कि मोदी सरकार आगामी चुनावों के मद्देनजर ऐसा कर रही है। यह एक चुनावी स्टंट है। ये बेवकूफ बनाने वाली बात है।

घमंडिया गठबंधन देश को बांटना चाहता है : सम्राट

इधर, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि घमंडिया गठबंधन में 22 लोग देश के प्रधानमंत्री के उम्मीदार हैं। और, लगभग 17 लोग इस देश में संयोजक बनना चाहते हैं। कांग्रेस या आप पार्टी का संयोजक होगा यह तो समय ही बताएगा। घमंडिया गठबंधन देश को बांटना चाहती है। इसमें देश बांटने वाले लोगों की टीम है। देश को कैसे लूटे, इसकी तैयारी 28 पार्टी के नेता कर रहे हैं। एक नेता के नीचे और एक झंडा के नीचे आते तब न कोई बात होती। यहां ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव या राहुल गांधी सब लोग प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। जहां दर्जनों उम्मीदवार हो वहां जनता कन्फ्यूज हो जाती है।

अतीक अशरफ जांच आयोग को 1.34 करोड़ देने का विरोध

» आजाद अधिकार सेना ने खड़ा किया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अतीक अशरफ हत्याकांड की न्यायिक जांच समिति को दिए गए मानदेय पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने शासनादेश दिनांक 24 अगस्त 2023 द्वारा जांच आयोग से संबंधित व्यक्तियों को कुल 1.34 करोड़ रुपए का भुगतान किया है, जिसमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को 30-30 लाख, सभी सदस्यों को 20 लाख और अन्य को 14 लाख शामिल है।

अमिताभ ठाकुर ने कहा कि जहां सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज को 15 लाख रुपए प्रति वर्ष का पेंशन है, वहीं यहां रिटायर्ड न्यायिक और अन्य अधिकारियों को अंशकालिक कार्य के लिए कितनी बड़ी धनराशि दिया जाना शासन की मंशा पर गहरी सवाल पैदा करता है। सरकार का यह आचरण पूरी तरह मनमाना है और जनता के पैसे की खुली बर्बादी होने के साथ ही मनचाहा रिपोर्ट प्राप्त करने के दिशा में एक अनुचित प्रयास भी है।

जेट एयरवेज के मालिक नरेश गोयल गिरफ्तार

ईडी ने 538 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग में की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 538 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) केस में जेट एयरवेज इंडिया लिमिटेड के संस्थापक नरेश गोयल (74) को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी अधिकारियों ने बताया कि गोयल को शुक्रवार रात गिरफ्तार किया गया। ईडी गोयल को शनिवार को विशेष पीएमएलए कोर्ट में पेश कर रिमांड की मांग कर सकती है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के इस मामले की जांच सीबीआई की एफआईआर के आधार पर शुरू की थी।

सीबीआई ने केनरा बैंक धोखाधड़ी मामले में गोयल, उनकी पत्नी अनीता और कंपनी के कुछ पूर्व अधिकारियों को आरोपी बनाया है। सीबीआई ने बैंक की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की थी। इसमें बैंक ने आरोप लगाया है कि उसने जेट एयरवेज लि. (जेएएल) को 848.86 करोड़ रुपये का कर्ज दिया था जिसमें से 538.62 करोड़ रुपये अब भी बकाया हैं। इस खाते को 29 जुलाई 2021 को फ्रॉड घोषित कर दिया गया था। बैंक का आरोप था कि कंपनी के फोरेंसिक ऑडिट से पता चला कि उसने अपनी अन्य कंपनियों को 1410.41 करोड़ रुपये कमीशन के रूप में भुगतान किया और इस तरह जेट का पैसा बाहर भेजा गया। जेट ने अपनी अनुसंगी कंपनियों को कर्ज या अन्य निवेश के जरिये भी पैसे का भुगतान किया।

कर्ज के बढ़ते बोझ ने थामी उड़ान

जेट एयरवेज ने साल 2006 में खस्ताहाल एयर सहारा को 50 करोड़ डॉलर नकद देकर खरीदा था, जो बाद में डूब गई। इससे जेट एयरवेज को बड़ा झटका लगा। जेट एयरवेज स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टर्स को ढूंढने में भी नाकाम रही। इससे कंपनी का घाटा बढ़ता गया। इसी बीच भारतीय विमान बाजार में इंडिगो, स्पाइस जेट और गो एयर जैसी बजट एयरलाइंस की एंट्री हुई, जिन्होंने सस्ते टिकट देकर जेट एयरवेज के मार्केट पर अपना कब्जा कर लिया।

एशियाई हॉकी में भारत ने जापान को रौंद डाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 5एस वर्ल्ड कप क्वालिफायर में 35-1 से दी मात

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई हॉकी 5एस वर्ल्ड कप क्वालिफायर के एक मैच में जापान को बुरी तरह से मसलकर रख दिया। भारतीय टीम ने जापान को 35-1 से रौंदा। इसके अलावा भारत ने एक अन्य मुकाबले में मलेशिया को भी 7-5 से हराया। इस मुकाबले में भारत ने एक के बाद 35 गोल किए। जबकि जापान महज एक ही गोल कर पाया।

मदीप मोर की अगुवाई में भारतीय हॉकी टीम ने आखिरी लीग मैच में गोल की बारिश कर दी। इसके साथ ही भारत ने सेमीफाइनल में शानदार जगह बना ली है। भारतीय टीम के सामने जापानी टीम पस्त हो गई। टीम ने पहले पांच मिनट के अंदर ही सात गोल कर दिए थे और इसके बाद भी जापानी टीम पर किसी तरह का रहम नहीं दिखाया। भारत की तरफ से मनिंदर सिंह 10 गोल दागे। तो मोहम्मद राहिल ने सात, पवन राजभर और गुरजोत सिंह ने पां-पांच, सुखविंदर ने चार, कप्तान मनदीप मोर ने तीन और जुगराज सिंह ने एक गोल किया। जापान की तरफ से एकमात्र गोल मसाताका कोबोरी ने किया। भारतीय टीम ने इससे पहले खेले गए मैच में मलेशिया को 7-5 से हराया। इस मैच में भारत की तरफ से गुरजोत ने पांच जबकि मनिंदर और राहिल ने एक-एक गोल दागा। मलेशिया की तरफ से आरिफ इशाक, कप्तान इस्माइल अबू, मोहम्मद दीन, कमरुलजमां कमरुद्दीन और स्यारमन मत ने गोल किए। दिन की इन दो बड़ी जीत से टीम इंडिया एलीट पूल तालिका में 12 अंक लेकर पाकिस्तान के बाद दूसरे स्थान पर रहा जिससे वो सेमीफाइनल के लिए सीधे क्वालिफाई कर गया।

बॉडी बिल्डर आदिल अंसारी पीसीएस जे परीक्षा में सफल

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में तैनात रहे और गौशाला की शुरुआत करने वाले डॉक्टर असलम अंसारी के पुत्र आदिल अंसारी ने यूपी पीसीएस जे परीक्षा परिणाम में 205 वीं रैंक के साथ सफलता प्राप्त की। वर्ल्ड चैंपियन बॉडी बिल्डर की पीसीएस जे में 205वीं रैंक परिजनों ने खुशी जताई। आदिल राम मनोहर लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रहे। देवरिया जिले के नवलपुर कस्बे के मूल निवासी और शहरी विकास विभाग में एडिशनल डायरेक्टर मोहम्मद एम ए अंसारी के पुत्र आदिल अंसारी ने बुधवार को आए यूपी पीसीएस जे परीक्षा परिणाम में 205वीं रैंक के साथ सफलता प्राप्त की है। आदिल अंसारी की सफलता पर उनके परिजन और शुभेच्छुओं ने बधाई दी है।

बहुत घबराहट में है केंद्र सरकार : नीतीश कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बोले- ये पहले ही करा देंगे चुनाव

पटना। विपक्ष की बैठक पर नीतीश कुमार ने कहा कि यह बहुत अच्छी रही है। अब हम सब मिलकर लड़ेंगे। 5 तरह के कामों के लिए कमेटी बन गई है। केंद्र सरकार बहुत कुछ कर रही है, लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराने की बात हो रही है। ये तो पहले भी होता था, ये बहुत अच्छा है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाकर समय से पहले लोकसभा चुनाव कराने की उनकी आशंका को बल दिया है। जद (यू) नेता ने मुंबई से लौटने के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आपको यह समझने की जरूरत है कि यह विशेष सत्र एक संकेत है कि वे शीघ्र चुनाव के बारे में सोच रहे हैं, जिसकी संभावना मैं काफी समय से देख रहा हूं और आप सभी के साथ साझा कर रहा हूं। संसद, जिसे पिछले महीने मानसून सत्र के बाद अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था, एक विशेष सत्र के लिए 18 से 22 सितंबर तक बैठक करेगी, जिसके एजेंडे को केंद्र ने सार्वजनिक नहीं किया है। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि जनता जो मजबूत विकल्प चाहती थी, वो विकल्प हम तैयार कर रहे हैं। समन्वय समिति(गठबंधन की) भी बन गई है, वन नेशन, वन इलेक्शन से पहले उन्हें वन नेशन, वन इनकम करनी चाहिए। पहले लोगों के साथ आर्थिक न्याय करें। वे (भाजपा) पूरे देश पर कब्ज़ा करना चाहते हैं।

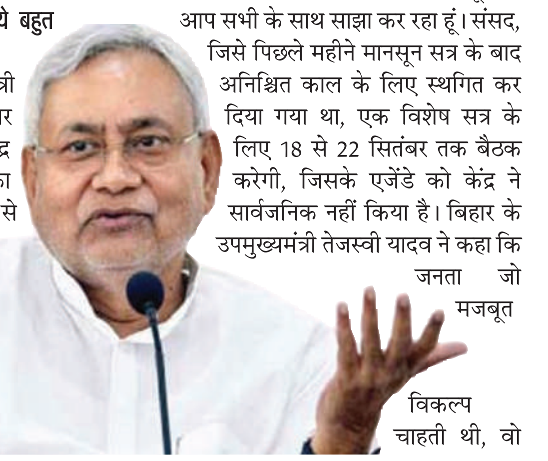

भाजपा ने अब तक जनगणना भी नहीं करवायी

उन्होंने आगे कहा कि बहुत सी चीजें पहले होती थी, जनगणना भी हर 10 साल पर होती थी, लेकिन आपने(भाजपा) नहीं कराया, ये तो होना चाहिए था। कल इन सब पर भी बात हुई। उन्होंने दावा किया कि मुझे पहले से ही शक है कि ये पहले चुनाव करा देंगे। विपक्ष की एकता से ये खतरा महसूस कर रहे हैं। केंद्र सरकार बहुत घबराहट में है। जद (यू) नेता, जिनकी पार्टी के लोकसभा में 16 सांसद हैं, ने एक राष्ट्र एक चुनाव के बारे में सवालों का जवाब नहीं दिया, लेकिन कहा, ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें आगामी सत्र के दौरान जोरदार ढंग से उठाया जाएगा।

इंडिया नहीं भारत बोलने की आदत डालें लोग : भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» भाषा कोई भी हो, नाम एक ही रहता है

नागपुर। आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने देशवासियों से इंडिया की जगह भारत का नाम इस्तेमाल करने की अपील की है। इससे पहले उन्होंने भारत को हिंदू राष्ट्र और सभी भारतीयों को हिंदू बताया था। राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघ चालक मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम के दौरान लोगों से इंडिया की जगह भारत नाम इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा, इस देश का नाम सदियों से भारत है, इंडिया नहीं, इसलिए हमें इसका पुराना नाम ही इस्तेमाल करना चाहिए।

सर संघ प्रमुख सकल जैन समाज के एक कार्यक्र म को संबोधित कर रहे थे, उन्होंने कहा, हमारे देश का नाम सदियों से भारत ही है. भाषा कोई भी हो, नाम एक ही रहता है। भागवत ने कहा, हमारा देश भारत है और हमें सभी व्यवहारिक क्षेत्रों में इंडिया शब्द का इस्तेमाल बंद करके भारत शब्द का इस्तेमाल शुरू करना होगा, तभी बदलाव आएगा, हमें अपने देश को भारत कहना होगा और दूसरों को भी यही समझाना होगा। एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र है और यह एक सच्चाई है। वैचारिक रूप से, सभी भारतीय हिंदू हैं और हिंदू का मतलब सभी भारतीय हैं, वे सभी जो आज भारत में हैं, वे हिंदू संस्कृति, हिंदू पूर्वजों औ हिंदू भूमि से संबंधित हैं, इसके अलावा अलावा और कुछ भी नहीं। भागवत ने कहा, कुछ लोग इसे समझ गए हैं, जबकि कुछ अपनी आदतों और स्वार्थ के कारण समझने के बाद भी इस पर अमल नहीं कर रहे हैं।

भारत में रहने वाला हर व्यक्ति हिंदू है

इससे पहले उन्होंने शुक्रवार (1 सितंबर 2023) को कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है और सभी भारतीय हिंदू हैं और सभी भारतीय हिंदुत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने लोगों की अपेक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि संघ को इस सबके बारे में सोचना चाहिए।

फोटो :4 पीएम

कांफ्रेंस कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इंडियन आर्थ्रोस्कोपी सोसाइटी के 20वें नेशनल कांफ्रेंस के दौरान अपने अनुभव साझा करतीं बाक्सिंग की विश्व चैंपियन मैरी कॉम

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के बेटे विकास पर एफआईआर दर्ज

विनय श्रीवास्तव हत्याकांडः आर्म्स एक्ट के तहत हुआ केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी विनय श्रीवास्तव हत्याकांड मामले में केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के बेटे विकास किशोर पर आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। विकास की लाइसेंसी पिस्टल से उसके दोस्तों ने विनय को गोली मारी थी। विकास पर लाइसेंसी शस्त्र को रखने में लापरवाही और दुरुपयोग करने के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के घर के अंदर भाजपा कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिस पिस्टल से विनय को गोली मारी गई उसका लाइसेंस विकास किशोर के नाम पर है। पुलिस की जांच में इसकी पुष्टि हो गई है। विकास घटनास्थल पर नहीं थे लेकिन, पिस्टल बिस्तर पर तकिए के नीचे रखी थी। जब विनय का आरोपियों से झगड़ा हुआ आसानी से पिस्टल अंकित को मिल गई। इससे स्पष्ट है कि विकास ने लाइसेंसी पिस्टल सुरक्षित स्थान पर नहीं रखी थी। विधि विशेषज्ञों के मुताबिक शस्त्रधारक की जिम्मेदारी है कि वह लाइसेंसी असलहा सुरक्षित स्थान पर रखें। जिससे उसका दुरुपयोग न हो सके। जो आर्म्स एक्ट-30 के तहत आता है। विकास किशोर भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष है। विनय श्रीवास्तव विकास के साथ बीते आठ साल से रह रहा था। जॉइंट पुलिस कमिश्नर आकाश कलहरि के अनुसार, नशेबाजी के बाद जुआ खेलने को लेकर हुए विवाद में विनय को गोली मारी गई थी। आरोपियों ने वारदात कबूल कर ली है। बरामद पिस्टल जांच के लिए भेज दी गई है। फिंगर प्रिंट के नमूने भी लिए गए हैं। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मृतक विनय श्रीवास्तव

डीएम से मिले शिवपाल, घोसी में निष्पक्ष चुनाव की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मऊ। घोसी विधानसभा उपचुनाव दो प्रत्याशी नहीं बल्कि भाजपा और इंडिया गठबंधन के बीच का होकर रह गया है। लोकसभा चुनाव से पहले इस उपचुनाव को लिटमस टेस्ट माना जा रहा है। भाजपा ने अपने प्रत्याशी के जीत को लेकर पूरी कैबिनेट की टीम घोसी में उतार दी है।

इसी क्रम में आज घोसी चीनी मिल के समीप स्थित मैदान मेंआयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जहां प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था में जुटा हुआ है, वहीं भाजपा पदाधिकारी इसे सफल बनाने जुटे हुए हैं। सीएम योगी दिन में 1.30 बजे हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। 2.30 बजे गोरखपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। घोसी उपचुनाव पांच सितंबर को है। भाजपा ने दारा सिंह चौहान को अपना उम्मीदवार बनाया है। सीएम योगी घोसी में दारा सिंह चौहान का प्रचार करने पहुंच रहे हैं।

सपा नेता बोले- चुनाव में गड़बड़ी कर सकती है भाजपा

पांच सितंबर को घोसी विधानसभा में होने वाले उप चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी अरुण कुमार से मुलाकात की और पांच सितंबर को होने वाले चुनाव को निष्पक्ष कराने की मांग की। आरोप लगाया कि इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी गड़बड़ी कर सकती है। कहा कि अलग- अलग तरीके से लोगों को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में निष्पक्ष चुनाव को लेकर काफी दिक्कतें पैदा हो गई है। ऐसे में प्रशासन से मांग है कि उप चुनाव को निष्पक्ष रूप से कराया जाए। इससे पहले इस मांग को लेकर शिवपाल यादव लखनऊ से सीधे कलेक्ट्रेट पहुंचे थे।

भाजपा और सपा ने झोंकी पूरी ताकत

2024 लोकसभा चुनाव से पहले हो रहे घोसी विधानसभा सीट का उपचुनाव सपा व भाजपा दोनों ही दलों के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गया है। मऊ जिले की घोसी उपचुनाव के लिए भाजपा और सपा ने अपनी ताकत झोंक दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीते मंगलवार को घोसी में जनसभा को संबोधित किया था। आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में घोसी चीनी मिल के पास स्थित मैदान में जनसभा करेंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन होंगे।